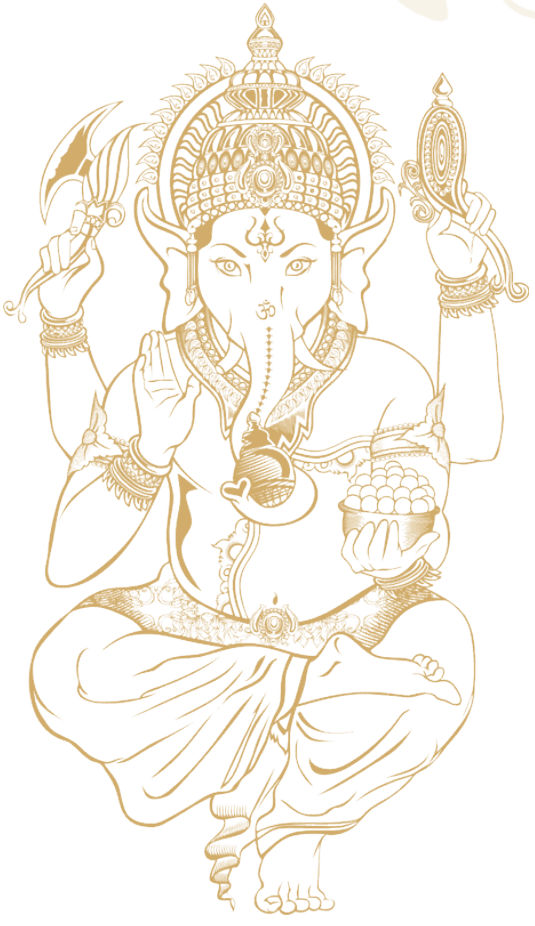

Hardik

15 Jun 2004

09:42 AM

Jhunjhunu

Model: web-freekundliweb

Order No: 121885205

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**15/06/2004**
दिन	मंगलवार
जन्म समय	**09:42:00 घंटे**
इष्ट	10:26:54 घटी
स्थान	**Jhunjhunu**
राज्य	Rajasthan
देश	India

अक्षांश	28:05:00 उत्तर
रेखांश	75:30:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:28:00 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	09:14:00 घंटे
वेलान्तर	-00:00:30 घंटे
साम्पातिक काल	02:49:09 घंटे
सूर्योदय	05:31:14 घंटे
सूर्यास्त	19:25:51 घंटे
दिनमान	13:54:37 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	ग्रीष्म
सूर्य के अंश	00:29:00 मिथुन
लग्न के अंश	24:21:26 कर्क

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	कर्क - चन्द्र
राशि-स्वामी	**वृष - शुक्र**
नक्षत्र-चरण	**कृतिका - 2**
नक्षत्र स्वामी	सूर्य
योग	सुकर्मा
करण	वणिज
गण	राक्षस
योनि	मेष
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	वैश्य
वश्य	चतुष्पाद
वर्ग	गरूड़
युँजा	पूर्व
हंसक	भूमि
जन्म नामाक्षर	इ-ईश्वर
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - स्वर्ण
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मिथुन

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			कर्क	24:21:26	309:50:29	आश्लेषा	3	9	चंद्र	बुध	राहु	---
सूर्य			मिथु	00:29:00	00:57:19	मृगशिरा	3	5	बुध	मंगल	बुध	सम राशि
चंद्र			वृष	01:22:12	11:52:44	कृतिका	2	3	शुक्र	सूर्य	गुरु	उच्च राशि
मंगल			कर्क	00:36:22	00:37:49	पुनर्वसु	4	7	चंद्र	गुरु	मंगल	नीच राशि
बुध		अ	वृष	25:53:17	02:10:33	मृगशिरा	1	5	शुक्र	मंगल	राहु	मित्र राशि
गुरु			सिंह	17:24:33	00:06:42	पू०फाल्गुनी	2	11	सूर्य	शुक्र	मंगल	मित्र राशि
शुक्र	व		वृष	19:54:28	00:32:12	रोहिणी	3	4	शुक्र	चंद्र	केतु	स्वराशि
शनि			मिथु	19:53:55	00:07:30	आर्द्रा	4	6	बुध	राहु	मंगल	मित्र राशि
राहु	व		मेष	16:44:00	00:02:03	भरणी	2	2	मंगल	शुक्र	चंद्र	शत्रु राशि
केतु	व		तुला	16:44:00	00:02:03	स्वाति	4	15	शुक्र	राहु	शुक्र	सम राशि
हर्ष	व		कुंभ	12:52:18	00:00:13	शतभिषा	2	24	शनि	राहु	बुध	---
नेप	व		मक	21:15:47	00:00:52	श्रवण	4	22	शनि	चंद्र	शुक्र	---
प्लूटो	व		वृश्चि	26:53:30	00:01:35	ज्येष्ठा	4	18	मंगल	बुध	गुरु	---
दशम भाव			मेष	20:49:59	--	भरणी	--	2	मंगल	शुक्र	गुरु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:54:58

लग्न-चलित

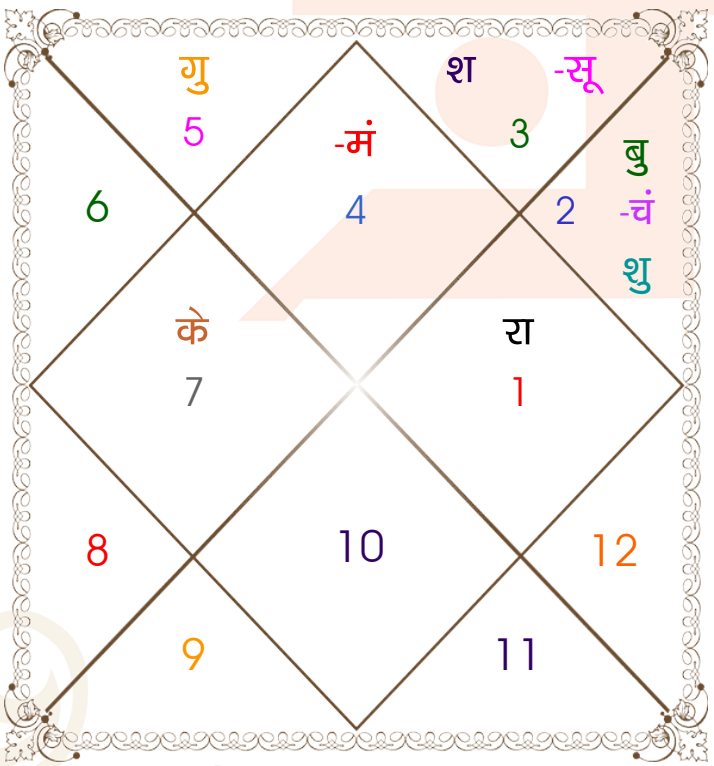

चन्द्र कुंडली

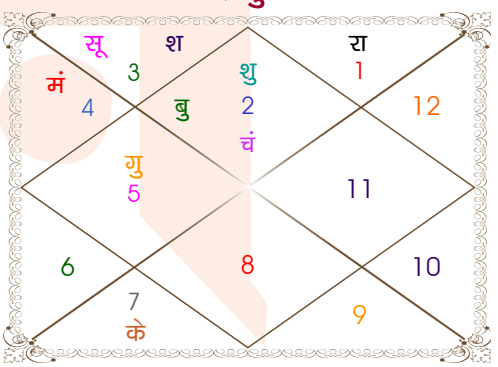

नवमांश कुंडली

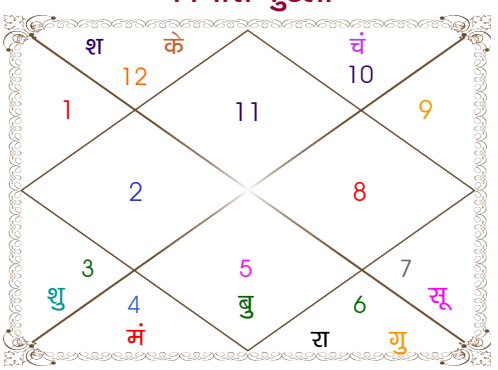

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : सूर्य 3 वर्ष 10 मास 18 दिन

सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष	
15/06/2004		03/05/2008		04/05/2018		04/05/2025		04/05/2043	
03/05/2008		04/05/2018		04/05/2025		04/05/2043		04/05/2059	
	00/00/0000	चंद्र	04/03/2009	मंगल	30/09/2018	राहु	15/01/2028	गुरु	21/06/2045
	00/00/0000	मंगल	03/10/2009	राहु	18/10/2019	गुरु	09/06/2030	शनि	03/01/2048
	00/00/0000	राहु	04/04/2011	गुरु	23/09/2020	शनि	15/04/2033	बुध	09/04/2050
	15/06/2004	गुरु	03/08/2012	शनि	02/11/2021	बुध	03/11/2035	केतु	16/03/2051
गुरु	10/03/2005	शनि	04/03/2014	बुध	30/10/2022	केतु	20/11/2036	शुक्र	14/11/2053
शनि	20/02/2006	बुध	03/08/2015	केतु	29/03/2023	शुक्र	21/11/2039	सूर्य	03/09/2054
बुध	27/12/2006	केतु	03/03/2016	शुक्र	28/05/2024	सूर्य	15/10/2040	चंद्र	03/01/2056
केतु	04/05/2007	शुक्र	02/11/2017	सूर्य	03/10/2024	चंद्र	16/04/2042	मंगल	08/12/2056
शुक्र	03/05/2008	सूर्य	04/05/2018	चंद्र	04/05/2025	मंगल	04/05/2043	राहु	04/05/2059

शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष	
04/05/2059		04/05/2078		04/05/2095		05/05/2102		05/05/2122	
04/05/2078		04/05/2095		05/05/2102		05/05/2122		00/00/0000	
शनि	07/05/2062	बुध	29/09/2080	केतु	30/09/2095	शुक्र	03/09/2105	सूर्य	22/08/2122
बुध	14/01/2065	केतु	27/09/2081	शुक्र	29/11/2096	सूर्य	04/09/2106	चंद्र	21/02/2123
केतु	23/02/2066	शुक्र	28/07/2084	सूर्य	06/04/2097	चंद्र	04/05/2108	मंगल	29/06/2123
शुक्र	24/04/2069	सूर्य	03/06/2085	चंद्र	05/11/2097	मंगल	04/07/2109	राहु	23/05/2124
सूर्य	06/04/2070	चंद्र	02/11/2086	मंगल	03/04/2098	राहु	04/07/2112	गुरु	16/06/2124
चंद्र	06/11/2071	मंगल	31/10/2087	राहु	22/04/2099	गुरु	05/03/2115		00/00/0000
मंगल	15/12/2072	राहु	19/05/2090	गुरु	29/03/2100	शनि	05/05/2118		00/00/0000
राहु	22/10/2075	गुरु	24/08/2092	शनि	08/05/2101	बुध	05/03/2121		00/00/0000
गुरु	04/05/2078	शनि	04/05/2095	बुध	05/05/2102	केतु	05/05/2122		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल सूर्य 3 वर्ष 10 मा 20 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म अश्लेषा नक्षत्र के तृतीय चरण में कर्क लग्नोदय काल हुआ है। तत्क्षण मेदिनीय क्षितिज पर मकर लग्नान्तर्गत कुंभ का नवमांश एवं मीन राशि का द्रेष्काण भी उदित था। नक्षत्रीय प्रभाव यह निर्दिष्ट करता है कि कोई अतिरिक्त प्रभाव नहीं तथापि आशा है कि आपको अपनी अच्छी जिन्दगी के लिए जीवन के 34 वें वर्ष तक उत्सुकता पूर्वक प्रतीक्षा करनी होगी। परन्तु आप यदि विश्वासपूर्वक कृतसंकल्पित होकर भली प्रकार अपने कर्मपथ पर प्रयासरत एवं कार्यरत रहें तो समय के पूर्व भी सफल हो सकते हैं।

आपकी राशि प्रभाव से यह स्पष्ट संकेत प्राप्त होता है कि आपकी आय अच्छी होगी परन्तु आपके सम्बंध में सभी लोग जानते है कि आप मध्यपान एवं आनन्द प्राप्त करते हैं। परन्तु यह विन्दु स्पष्ट करता है कि आप किस प्रकार रमणीय एवं मूल्यवान प्रेम सम्बंध से सुरक्षित रह सकेंगे। सम्प्रति आपकी मनोवृति अत्यधिक स्वार्थपूर्ण हैं। आप सदैव अधिक मात्रा में अपने स्वार्थ साधन हेतु धन का व्यय कर सकते हैं। इस दशा में आपकें बृहद् परिवार के साथ मतभिन्नता रहना स्वभाविक है कि आपकी पत्नी के साथ आपका उत्कट प्रेम एवं अनुशासित सन्तान का स्नेह सम्बंध किस प्रकार मधुर बना रह सकेगा।

अतएव आपको सावधानी पूर्वक धन का व्यय करना चाहिए अन्यथा आपका जीवन एवं पारिवारिक सम्बंध स्थापित रहना अस्वाभाविक है।

यह आपके ऊपर निर्भर है कि आप अपनी स्वाभाविक क्षमता के अनुरूप इस महत्वपूर्ण कार्य का सम्पादन कर लाभान्वित हो। आप रूचिकर साहित्य का पठन एवं लेखन कर प्रभावशाली बातचीत करते हैं। आप अन्य लोगों पर इसका समुचित उपयोग कर अपना प्रभाव जमा सकते हैं। यदि आप अन्य लोगों के साथ इस नकारात्मक गुणों का व्यवहार करें तो अन्य लोगों को ऐसा सन्देह हो सकता है कि आप उनके साथ धोखा धड़ी करते हैं। यदि एक वार लोगों की ऐसा धारणा बन गई तो पुनः इसको मिटना दुष्कर कार्य होगा। परिणाम स्वरूप आप अपने व्यवसायिक एवं अन्य व्यवहार लोगों के साथ कर के सफलता प्राप्त नहीं करेंगे।

परन्तु यदि आप अपनी प्रवृति अच्छे कार्यो के अनुरूप कर ले तो आप स्वयं ही नहीं बल्कि सहयोगी बन्धु-बान्धव एवं अतिप्रिय व्यक्ति युक्त आवश्यकता के अनुरूप सुखद जीवन बिता सकते हैं। आपके लिए सुन्दर एवं अनुकूल व्यवसाय प्रवृति के अनुरूप वाणिज्य व्यवसाय हेतु लेखा परीक्षण का कार्य, ट्रेवल्स एजेन्ट्स एवं यानी निर्देशन का कार्य (गाईड का कार्य) सुन्दर एवं अनुकूल है।

आप स्वाभाविक रूप से समर्पित व्यक्ति हैं। आपकी धार्मिक मामले में अभिरूचि है और आपका विकास भी इसी क्षेत्र में होगा। यह गुण आपके सामान्य ज्ञान एवं आपकी शिक्षा द्वारा दर्शनशास्त्र के प्रकाशन से संभव एवं अनुकूल हो सकता है। इसके द्वारा आपको लाभांश प्राप्त होगा।

आपका स्वास्थ्य अनुकूल एवं उत्तम रहेगा। परन्तु यह संभव है कि आप उदर रोग,

जलोदर, एवं गांठ की जोड़ों दर्द से प्रभावित हो सकते हैं। अतः आपको निर्देश है कि आप स्वास्थ्य के सम्बंध में पूर्ण सावधानी बरतें एवं समय-समय पर संयमित जीवन व्यतीत करने के लिए चिकित्सा सम्बंधी जाँच कराते रहें।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में शुक्रवार एवं शनिवार पूर्ण आनन्द प्रदायक नही होगा। मंगलवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन सफलता प्रदायक होगा। बुधवार का दिन चिन्तनीय एवं व्ययकारी होगा। परन्तु रविवार का दिन सचेत रहने योग्य है। आपके लिए अंक 4 एवं 6 अंक भाग्यशाली अनुकूल एवं प्रफ्फुलित करने वाला है। इसके अतिरिक्त अंक 2, 7 एवं 9 अंक निष्क्रिय एवं अंक 3 एवं 5 अंक सर्वथा प्रतिकूल है।

आपका भाग्यशाली रंग सफेद, क्रीम, लाल एवं सफेद रंग है तथा नकारात्मक रंग हरा एवं ब्लू रंग है।